NEW SYLLABUS

SYLLABUS

MAGADH UNIVERSITY
BODH GAYA

Courses of Study

For

B.A. PART–II

THREE YEAR INTEGRATED DEGREE COURSE FROM SESSION ON WARDS

नोट—NEW SYLLABUS पुनः परिवर्त्तन किया गया है।

Price : Rs. 10/-

विषय-सूची

क्र.सं.

1. सामान्य हिंदी (हिंदी भाषियों के लिए)
2. सामान्य हिंदी (अहिंदी भाषियों के लिए)
3. हिंदी उत्तीर्ण (पास) एवं आनुषंगिक (सब्सिडियरी)
4. स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा
5. स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा
6. अंग्रेजी
7. उर्दू
8. मैथिली
9. भोजपुरी
10. पाली
11. संस्कृत
12. प्राकृत
13. भूगोल
14. मनोविज्ञान
15. इतिहास
16. अर्थशास्त्र
17. दर्शनशास्त्र
18. राजनीति विज्ञान
19. समाजशास्त्र
20. प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति
21. गृह विज्ञान

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया

त्रिवर्षीय स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

(कला, विज्ञान और वाणिज्य, सामान्य एवं प्रतिष्ठा तथा अहिन्दी भाषियों के लिए)

2011-2012 से प्रभावी

विशेष :

1. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के (कला, विज्ञान और वाणिज्य) विद्यार्थियों के लिए सामान्य हिन्दी (हिन्दी रचना) का 100 अंकों का और हिन्दीतर भाषियों के लिए 50 अंकों का प्रश्न-पत्र अनिवार्य है । 100 अंकों के हिन्दी रचना पत्र का उत्तीर्णांक 33 और 50 अंकों के हिन्दी रचना के उत्तीर्णांक 17 निर्धारित है ।

2. वैकल्पिक भाषा के रूप में हिन्दी पढ़ने वाले स्नातक पास एवं आनुषंगिक (सब्सिडियरी) के विद्यार्थियों के लिए प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में प्रत्येक के लिए हिन्दी साहित्य का 100 अंकों का प्रश्न-पत्र निर्धारित है ।

3. पास कोर्स के विद्यार्थियों के लिए तृतीय वर्ष में भी 100 अंकों का हिन्दी साहित्य का पत्र पढ़ना है, लेकिन सब्सिडियरी के विद्यार्थियों को यह नहीं पढ़ना है ।

4. स्नातक तृतीय वर्ष में हिन्दी रचना (सामान्य हिन्दी) का पत्र नहीं पढ़ना है ।

5. हिन्दी प्रतिष्ठा में प्रथम वर्ष में पत्र 1 एवं 2 तथा द्वितीय वर्ष में पत्र 3 एवं 4 पढ़ना है ।

6. तृतीय वर्ष में 5, 6, 7 अनिवार्य पत्र होंगे । 8वाँ पत्र विशेष अध्ययन का होगा, जिसमें विद्यार्थी किसी एक पत्र का चयन कर सकेंगे ।

हिन्दी प्रतिष्ठा के तीनों खण्डों में प्रत्येक प्रश्न पत्र 70 अंकों का होगा । लिखित परीक्षा तीन घंटे की होगी । शेष 30 अंक अतिरिक्त (विभागीय) मूल्यांकन यथा-मौखिकी, ट्यूटोरियल और संगोष्ठी आदि के लिए निर्धारित है ।

प्राचार्य एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
मगध विश्वविद्यालय

संशोधित नवीन पाठ्यक्रम

स्नातक द्वितीय वर्ष

सामान्य हिंदी (हिंदी रचना) हिंदी भाषियों के लिए (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य के उत्तीर्ण (पास), एवं प्रतिष्ठा दोनों वर्गों के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य

समय : तीन घंटे] अंक विभाजन [पूर्णांक : 100

(क) आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 15 = 45 अंक
(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न	3 × 10 = 30 अंक
(ग) लघु उत्तरीय प्रश्न	3 × 5 = 15 अंक
(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10 × 1 = 10 अंक
	योग = 100 अंक

पाठ्यग्रंथ :

1. **कुरूक्षेत्र** — दिनकर, **अथवा, यशोधरा** — मैथिलीशरण गुप्त
2. **अक्षयवट** — सं. डॉ. भूपेन्द्र कलसी
1. **यज्ञ**–महात्मा गाँधी ।
2. **हमारा सांस्कृतिक पतन**–डॉ. सपूर्णानंद ।
3. **दक्षिण गंगा गोदावरी**–काका साहेब कालेलकर ।
4. **सप्तसागर महादान**–वासुदेवशरण अग्रवाल ।
5. **आजादी के बाद भारतीय विज्ञान**–गुणाकर मूले ।

अथवा, गद्य-प्रवाह—सं. डॉ. विजय कुमार श्रेष्ठ–युनिवर्सिटी बुक हाउस, जयपुर ।

पाठ्यांश :

(i) व्यंग्य	—	मूल्यों का उलटफेर — हरिशंकर परसाई
(ii) रिपोर्ताज	—	मुक्ति योद्धाओं के शिविर में — विष्णुकांत शास्त्री
(iii) पत्र साहित्य	—	इतिहास से शिक्षा — पं. जवाहरलाल नेहरू
(iv) वैज्ञानिक निबंध	—	पर्यावरण और सनातन दृष्टि
(v) ललित निबंध	—	हल्दी-दूब और दधि-अच्छत — विद्यानिवास मिश्र ।

अभिस्तावित ग्रंथ :

1.	हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि	— डॉ. श्री निवास शर्मा
2.	मैथिली शरण गुप्त	— डॉ. रेवती रमण
3.	साठोत्तरी कविता : परिवर्तित दिशाएँ	— डॉ. विजय कुमार
4.	हिन्दी निबंध और निबंधकार	— डॉ. रामचंद्र तिवारी
5.	हिन्दी गद्य की नई विधाएँ	— डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
1.	हिन्दी उपन्यास	— रामदरश मिश्र
2.	हिन्दी उपन्यास — शिल्प और प्रयोग	— डॉ. त्रिभुवन सिंह
3.	हिन्दी हानी प्रक्रिया और पाठ	— डॉ. सुरेन्द्र चौधरी
4.	हिन्दी नाटक	— डॉ. बच्चन सिंह
5.	एकांकी और एकांकीकार	— डॉ. रामचरण महेन्द्र
6.	निबंध सिद्धांत और प्रयोग	— डॉ. हरिहरनाथ द्विवेदी
7.	हिन्दी गद्य की नई विधाएँ	— डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया ।

स्नातक द्वितीय वर्ष
सामान्य हिन्दी (हिन्दी रचना)
उत्तीर्ण (पास) एवं प्रतिष्ठा दोनों वर्गों के लिए
(कला, विज्ञान और वाणिज्य के अहिन्दी भाषियों के लिए अनिवार्य)

समय : 1½ घंटे] अंक विभाजन [पूर्णांक : 50

(क) आलोचनात्मक प्रश्न	2 × 15 = 30 अंक
(ख) व्यवहारिक रचना हिन्दी	2 × 5 = 10 अंक
(ग) वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10 × 1 = 10 अंक
	योग = 50 अंक

पाठ्यग्रंथ : 1. विविधा—सं डॉ. जितेन्द्र वत्स ।

1. पाठ्यांश : साहित्य की विविध विधाएँ
   1. अलोपीदीन—महादेवी वर्मा ।
   2. कबीर साहब से भेंट—रामधारी सिंह 'दिनकर' ।
   3. आत्मकथा—आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ।
   4. ईदगाह—प्रेमचंद ।
   5. मुगलों ने सल्तनत बख्श दी—भगवतीचरण वर्मा ।

अथवा, 2. हिन्दी गद्य-पद्य संग्रह—सं. निदेश प्रसाद सिंह, प्रकाशन—ओरिएंट ब्लैकस्वॉन, पटना ।

पाठ्यांश—गद्य-खंड : (i) दुलाई वाली — बंग महिला
(ii) खून का रिश्ता — भीष्म साहनी
(iii) बड़े घर की बेटी — प्रेमचंद

पद्य-खड : (i) दोनों ओर प्रेम पलता है — मैथिलीशरण गुप्त
(ii) ले चल वहाँ भुलावा देकर — प्रसाद
(iii) मुरझाया फूल — महादेवी
(iv) समरशेष है — दिनकर

व्यावहारिक हिन्दी रचना में पठनीय—संक्षेपण, पल्लवन, पत्र-लेखन, आशय-लेखन, वाक्य-संशोधन, शब्द-युग्मों में अंतर ।

अभिस्तावित ग्रंथ : 1. छायावादी कवि और काव्य — डॉ. देव खरे
2. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना — डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद

स्नातक द्वितीय वर्ष
प्रश्न-पत्र – 2
उत्तीर्ण (पास) एवं आनुषंगिक (सब्सिडियरी)
(कथा साहित्य एवं नाट्य विधाएँ)

समय : तीन घंटे] अंक विभाजन [पूर्णांक : 100

(क) आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 15 = 45 अंक
(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न	3 × 10 = 30 अंक
(ग) लघु उत्तरीय प्रश्न	3 × 5 = 15 अंक
(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10 × 1 = 10 अंक
	योग = 100 अंक

पाठ्य-पुस्तकें : उपन्यास—पुरुष और नारी—राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह
नाटक—नेत्रदान—रामवृक्ष बेनीपुरी ।
प्रतिनिधि एकांकी—सं. डॉ. जितेन्द्र नाथ पाठक / डॉ. सत्येन्द्र सिंह, प्र.–संजय बुक सेन्टर वाराणसी ।

1.	विक्रमादित्य	— डॉ. रामकुमार वर्मा
2.	ऊसर	— भुवनेश्वर
3.	नये मेहमान	— उदयशंकर भट्ट
4.	लक्ष्मी का स्वागत	— उपेन्द्रनाथ अश्क
5.	नेहरू की वसीयत	— विष्णु प्रभाकर
6.	रीढ़ की हड्डी	— जगदीश चंद्र माथुर

कथाकेतु—सं. डॉ. सूर्यदेव सिंह ।

पाठ्यांश : 1. बड़े घर की बेटी—प्रेमचंद । 2. दो बाँके—भगवतीचरण वर्मा ।
3. मलवे का मालिक—मोहन राकेश । 4. पंचलाइट—फणीश्वरनाथ रेणु ।
5. दोपहर का भोजन—अमरकांत ।

द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित कहानियाँ :
6. ताई—विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक' ।
7. महुए का पेड़—मार्कण्डेय ।
8. सती—शिवानी ।

अभिस्तावित ग्रंथ : 1. हिन्दी उपन्यास — डॉ. सुरेश सिन्हा
2. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास — डॉ. दशरथ ओझा
3. नयी कहानी — डॉ. नामवर सिंह
4. हिन्दी एकांकी : उद्भव और विकास — डॉ. रामचरण महेन्द्र

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, द्वितीय वर्ष
प्रश्न-पत्र – 3
आधुनिक काव्य

समय : तीन घंटे] अंक विभाजन [पूर्णांक : 70

(क) आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 12 = 36 अंक
(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न	3 × 8 = 24 अंक
(ग) वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10 × 1 = 10 अंक
	योग = 70 अंक

वर्ग–'क'

पाठ्यग्रंथ :

लहर—जयशंकर प्रसाद (मेरे नाविक, तुमुल कोलाहल, बीती विभावरी, पेशोला की प्रतिध्वनि) ।

परिमल—सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला—बादल राग—6, स्नेह निर्झर बह गया है, संध्या सुंदरी, तोड़ती पत्थर, राजे ने रखवाली की ।

तारापथ—सुमित्रानंदन पंत—मोह, प्रथम रश्मि, भारतमाता-ग्रामवासिनी ।

संधिनी—महादेवी—धीरे-धीरे उतर क्षितिज से, कौन तुम मेरे हृदय में, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ ।

वर्ग–'ख'

पाठ्यग्रंथ—प्रगतिशील-काव्य धारा—सं. डॉ. भरत सिंह हिन्दी विभाग, म. वि. बोधगया ।

पाठ्यांश : माखन लाल चतुर्वेदी—कैदी और कोकिला, पुष्प की अभिलाषा, उलाहना ।

रामधारी सिंह दिनकर—हिमालय, दिल्ली, विपथगा ।
केदार नाथ अग्रवाल—मैंने उसको, मुझे नदी से बहुत प्यार है, चंद्रग्रहना से लौटती वेर ।
नागार्जुन—मास्टर, यह दंतुरित मुस्कान, अकाल और उसके बाद ।
अज्ञेय—नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की, दूर्वादल ।
अथवा, काव्य कल्प—सं. डॉ. बदरीनारायण सिंह ।

1. रामधारी सिंह 'दिनकर'—परदेशी, चाँद और कवि, बापू हिमालय का संदेश, कलम और तलवार ।
2. हरिवंश राय बच्चन—मधुशाला, क्या करूँ संवेदना लेकर तुम्हारी, हलाहल, आओ हम पथ से हट जाएँ, मैं सुख पर सुखमा पर रीझा ।
3. स. ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय'—हमारा देश, यह इतनी बड़ी अनजानी दुनिया, पानी बरसा, साँप के प्रति, आँगन के पार ।
4. धर्मवीर भारती—टूटा पहिया, कविता की मौत, नया रस, साँझ का बादल, फूल, मोमबतियाँ सपने ।
5. भवानी प्रसाद मिश्र—गीत-फरोश, फूल कमल के, स्नेह-शपथ, असुंदर से गाँठ, रक्त-क्षण ।
6. धूमिल—गाँव में कीर्तन, खेवली, भूख, बीस साल बाद, मकान ।

द्रुतपाठ हेतु पाठ्यांश :

7. शिवमंगल सिंह 'सुमन'—वरदान माँगूगा नहीं, प्यासो को प्रणाम है, मैं मनुष्य के भविष्य से नहीं निराश ।
8. गोपाल सिंह 'नेपाली'—हिंदी है भारत की बोली, नवीन, सावन-भर नाच मोर मगर ।
9. शमशेर बहादुर सिंह—चाँद से थोड़ी-सी गप, सींग और नाखून, बात बोलेगी ।

पाठ्यांश : माखन लाल चतुर्वेदी—कैदी और कोकिला, पुष्प की अभिलाषा, उलाहना ।
रामधारी सिंह दिनकर—हिमालय, दिल्ली, विपथगा ।
केदारनाथ अग्रवाल—मैंने उसको, मुझे नदी से बहुत प्यार है, चंद्रग्रहना से लौटती वेर ।
नागार्जुन—मास्टर, यह दंतुरित मुस्कान, अकाल और उसके बाद ।
अज्ञेय—नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की, दूर्वादल ।

अभिस्तावित ग्रंथ :

1.	जयशंकर प्रसाद	—	सं. डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
2.	प्रसाद का काव्य	—	डॉ. प्रेमशंकर
3.	कवि निराला	—	डॉ. राम विलास शर्मा
4.	क्रांतिकारी कवि निराला	—	डॉ. बच्चन सिंह
5.	सुमित्रा नन्दन पंत : जीवन और दर्शन	—	शांति जोशी
6.	सुमित्रा नन्दन पंत	—	डॉ. नगेन्द्र
7.	महादेवी सृजन और शिल्प	—	डॉ. रणजीत सिंह
8.	महादेवी का काव्य	—	डॉ. चौथीराम यादव
9.	युगचारण दिनकर	—	डॉ. सावित्री सिन्हा
10.	अपने समय का सूर्य : दिनकर	—	डॉ. मन्मथ नाथ गुप्त
11.	अज्ञेय कवि और काव्य	—	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
12.	अज्ञेय की काव्य संवेदना	—	डॉ. कमल कुमार
13.	यायावर कवि नागार्जुन	—	डॉ. वीरेन्द्र सिंह
14.	नागार्जुन का रचना-संसार	—	डॉ. विजय बहादुर सिंह
15.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	—	डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
16.	समकालीन काव्य यात्रा	—	डॉ. नंद किशोर नवल ।

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, द्वितीय वर्ष

प्रश्न-पत्र – 4

(हिन्दी साहित्य का इतिहास)

समय : तीन घंटे] अंक विभाजन [पूर्णांक : 70

(क) आलोचनात्मक प्रश्न	3 × 12 = 36 अंक
(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न	3 × 8 = 24 अंक
(ग) वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10 × 1 = 10 अंक
	योग = 70 अंक

इकाई–1 : हिन्दी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण ।
इकाई–2 : आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकार ।
इकाई–3 : आधुनिक काल की पृष्ठभूमि—भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत ।
इकाई–4 : हिन्दी गद्य की विविध विधाएँ—कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, आलोचना ।
इकाई–5 : हिन्दी गद्य का नवीन स्वरूप—रिपोर्ताज, संस्मरण, रेखा चित्र, डायरी लेखन, यात्रा साहित्य ।

अभिस्तावित ग्रंथ :

1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	—	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2.	हिन्दी साहित्य का आदिकाल	—	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3.	हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी	—	आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
4.	हिन्दी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक इतिहास	—	डॉ. सभापति मिश्र
5.	हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास	—	डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
6.	मध्यकालीन हिन्दी साहित्य और हजारी प्रसाद द्विवेदी	—	डॉ. सुनील कुमार ।

B. A. Part–II : ENGLISH (Hons. Course)

Time : 1½ Hours] Paper–III [Full Marks : 50

1. Marlowe : Tamburlaine, 2. Shakespeare : Othello, 3. Ben Jonson : Vopone, 4. Congrese : The Way of the World, 5. Sheridan : The Rivals.

Distribution of marks :

4 explanations out of 10, 2 extracts to be set from each book. 7½ × 4 = 30
4 critical questions out of 10 Q. (two from each text to be set). 15 × 4 = 60
Rhetoric 10

Time : 3 Hours] Paper–IV [Full Marks : 100

1. Ecclesiastes (from The Bible), 2. Tale of A tub : Swift, 3. Pride and Prejudie : Austen, 4. David copperfield : Diekens, 5. Far from the Madding : Hardy Crowd.

Distribution of Marks :

4 explanations out of 10, 2 extracts to be set from each book 8 × 4 = 32
4 Critical questions out of 10 (two from each text tobe set) 17 × 4 = 68

ENGLISH (Subsidiary Course)

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

1. Animal Farm : Orwell, 2. The New Icons : An Anthology of Prose and Short Story Motilal Banarsidass.

Pieces Prescribed

Section (A) Prose

1. On Habits, 2. Uncle Podger Hangs A picture, 3. Defirition of A Gentleman, 4. Of Studies, 5. Forgetting, 6. Indian civilization and culture.

Section (B) (Short Story)

1. The Speckled Band, 2. The Figt of Masi, 3. The 1,00,000 Bank note, 4. A Work of Art, 5. The Parrot in the Cage, 6. The Doll's House, 7. Essay, 8. Grammar.

Distribution of Marks :

3 explanation of out of 6 2 extracts from Animal Farm to be set 2 extracts from section (A) (Prose) and 2 extracts from section (B) (Short Story to be set. Any three to be answered.) $8 \times 3 = 24$

1 Critical question from Animal Farm	17
1 question from section (A) (Prose) from the Anthology	17
1 question from section (B) (Story) from the Anthology	17
Short Essay	15
Grammar (Common error or idiomasior pair of words)	10

ENGLISH (General Course)

Time : 3 Hours] **[Full Marks : 100**

1. Julius Caesar : Shakespeare, 2. The New Icons : An Anthology of Prose and Short Story. Motilal Banarsidass.

Pieces prescribed

Section (A) (Prose)

1. National prejudice, 2. Indian Through a Travellers Eye, 3. The Scientific Point of View, 4. Of Studies, 5. Ideas that have helped mankind, 6. Science Humanitions and Religion.

Section (B) (Story)

1. The Last Leaf, 2. Babus of Naynjore, 3. A shadow, 4. The Two Friends, 5. The Selfish Giant, 6. Three Strangers.

Distribution of Marks :

3 explanations out of 6, 2 extracts from Julius Caesar to be set, 2 extracts from section (A) (Prose) of the Anghology and 2 extracts from section (B) (Short Story) of the Anthology to be set. Any three to he answered. $8 \times 3 = 24$

1 question from Julius Caesar.	17
1 question from section (A) (Prose) of the authology.	17
1 question from section (B) (Short Story of the Anthology)	10
Expansion of an idea	15
Precis	

ENGLISH COMPOSITION

Time : 1½ Hours] **[Full Marks : 50**

1. Animal Farm : Orwell, 2. The New Icons : An anthology of Prose and Short Story Motilal Banarsidass.

Pieces prescribed :

1. All About A Dog, 2. Packing, 3. The Open Window, 4. The Aligat and the darkal, 5. Three Surar gers.

Distribution of Marks :

1 question from animal Farm	15
1 question from Prose & Story	15
1 Essay	20
Alternative to be given.	

B. A. Part–II : मैथिली (रचना)

द्वितीय-पत्र

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ :

(i) (क) अतीत (ख) मनोरथ—दोनों में से एक किताब पढ़ना है ।

(ii) (क) त्रिपुण्ड (ख) पतन—दोनों में से एक किताब पढ़ना है । $15 \times 2 = 30$

निबंध—15 और आशय—5 ।

संस्कृत (पास कोर्स एवं अनुपूरक)

1.	संस्कृत साहित्य का इतिहास : पाठ्यांश—रामायण, महाभारत, पुराण, नाटक, गद्यकाव्य, कथा साहित्य, गीतिकाव्य ।	30
2.	अनुवाद—संस्कृत से हिन्दी अथवा अंग्रेजी	30
	अनुवाद—हिन्दी से संस्कृत अथवा अंग्रेजी	20
3.	व्याकरण—कारक, प्रकरण मात्र (कर्म प्रवचनीय से सम्बद्ध सूत्र नियमों को छोड़कर)	20

B. A. Part–II : संस्कृत (प्रतिष्ठा)

पूर्णांक : 100] द्वितीय-पत्र [समय : 3 घंटे

1. कादम्बरी कथामुख भाग (यदि कौतुक कमाकर्णयतामपर्यन्त)
2. शिवराज विजय—(प्रथम निःश्वास से तृतीय तक)
3. दशकुमार चरित—(पूर्व पीठिका पंचम उच्छवास मात्र) ।

अथवा, सीमा—डॉ. रामशरण शर्मा (पृ. सं. 1 से 35 तक)

आलोचनात्मक प्रश्न 3–42, अनुवादक 3–36, सरलार्थ 22 अंक

चतुर्थ-पत्र : रूपक

1. अभिज्ञानशानकुन्तलम्—कालिदास, 2. चारूदत्त—भास, 3. विद्वशाल भंजिका—राजेश्वर

निर्धारित अंक—अभिज्ञानशाकुन्तलम् : प्रश्न दो-28, व्याख्या दो–20, अनुवाद दो–12, चारूदत्त : प्रश्न एक–12, अनुवाद एक–8 । विद्वशाल भंजिका : प्रश्न एक–12, अनुवाद एक–8 ।

B. A. Part–II : पालि (सामान्य)

पूर्णांक : 100] तृतीय-पत्र [समय : 3 घंटे

आलोचनात्मक प्रश्न–30, अनुवाद–20, व्याख्या–20, व्याकरण–30 अंक ।

(1) खूदक पाठी (2) सधम्म गाथा–ब्रजमोहन पाण्डेय (3) महावंश तृतीय एवं चतुर्थ संगीति (4) सुखतनिपात गठनीय सुत—धनिया सुत खण्ड, विसाण सूत ब्राह्मण, धार्मिक सुत, वासेठ सुत और कालि भारद्वाज सुत ।

पालि द्वितीय पत्र

आलोचनात्मक प्रश्न–30, अनुवाद–20, व्याख्या–20, व्याकरण–30 अंक ।

1. सधम्म कथा—ब्रजमोहन पाण्डेय
2. सद्धम्मीपायन अथवा महावंश (प्रथम व द्वितीय संगति)—डॉ. महेश तिवारी ।
3. निवास कथा—महेश तिवारी ।

आतक अट्ट कथा की भूमिका ।

व्याकरण—शब्द रूप—बुद्ध, दण्डी, लता, भिक्खु, आम्हतुम्ह ।

धातु रूप—भू, पठ, गम, चूर, खिल, सू, चिं, कारक, समास ।

पठनीय निपात—बल, किपावना, चिर, दिवा, पार्गव, सेच्य, थासि, सेव्यतीर, याद, ताव, अभि, कखर्ण व यथा ।

B. A. Part–II : पालि (प्रतिष्ठा)

पूर्णांक : 100] द्वितीय-पत्र [समय : 3 घंटे

व्याकरण—सन्धि, समास, कारक, उपसर्ग और निपात

पठनीय निपात—अर्थ, अप्तन, कज्ज, कुवाचक, पदा विना, अण्डरेण, बदा, ताव, संधि 50 अंक
पालि से हिन्दी अनुवाद 25 अंक
हिन्दी से पालि अनुवाद 25 अंक

चतुर्थ-पत्र

1. पालि साहित्य एवं बौद्ध दर्शन का इतिहास, पालि भाषा एवं साहित्य का उद्भव और विकास, त्रिपिटक साहित्य, अनुपिंटक साहित्य एवं अटूट कथा साहित्य 60 अंक
2. बुद्धकालीन भारतीय भूगोल 20 अंक
3. महावंश—प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय संगति 20 अंक

B. A. Part–II : प्राकृत (सामान्य)

पूर्णांक : 100] तृतीय-पत्र [समय : 3 घंटे

1. कुमार बालचरित्र (प्रथम सर्ग)
2. भावस्य दत्त कड्व महेश्वर सूरिकृत (प्रथम 200 गाथाएँ)

अंक—व्याख्या—40, अनुवाद—20, प्रश्न—40 ।

प्राकृत (अनुपूरक) : द्वितीय-पत्र

पद्य—45, प्राकृत साहित्य का इतिहास—40, अनुवाद—15 अंक ।

पद्य 1. (क) कुमार बाल परिचय, (प्रथम वर्ग पूर्वार्द्ध)
(ख) भविष्यदत्त कड्वं—महेश्वर सूरि कृत (प्रथम 160 यात्राएँ)
(अनुवाद—10, व्याख्या—15, प्रश्न—20)

2. प्राकृत साहित्य इतिहास—40

1. अर्ध मागधी आगम् अंग साहित्य (सामान्य परिचय) 2. शौरसेनी आगम साहित्य (सामान्य परिचय) केवल कुन्द कुन्द एवं सिद्धान्त चक्रवर्ती, नेमिचन्द्र साहित्य। 3. महाराष्ट्रीय साहित्य (केवल हरिभद्र का परिचय)। 4. उमा स्याति, समन्यभद्र, स्वयंभू एवं पुष्पवात का सामान्य परिचय ।

अभिस्थापित पुस्तकें—1. प्राकृत भाषा तथा साहित्य—नेमिचन्द्र शास्त्री, 2. प्राकृत साहित्य का इतिहास—जगदीश चन्द्र जैन, 3. आचार्य कुन्कुन्द—श्रीमती शुद्धात्म प्रभा, 4. अनुवाद—प्राकृत से हिन्दी, हिन्दी से प्राकृत ।

B. A. Part–II : प्राकृत (प्रतिष्ठा)

पूर्णांक : 100] तृतीय-पत्र [समय : 3 घंटे

A. प्राचीन प्राकृत गद्य:

1. सेतुबन्ध महाकाव्य (प्रथम आश्वास)
2. गडकवही महाकाव्य (स्तुति प्रकरण)—श्रीकृष्ण स्तुति)
3. लोसा बद्रकहा (प्रथम 100 गाथाएँ)

व्याख्या—30, अनुवाद—30, प्रश्न—40 ।

B. Historical Inscription—25

1. Pillar Edict of Ashoka—1, 2, 3, 4 & 7.
2. Ghatyal Kakkuka Inscription.

व्याख्या—8, अनुवाद—5, प्रश्न—12 ।

चतुर्थ-पत्र (गद्य)

1. उवासगदसाओ (सद्लाल पुत्र अन्य यण मात्र)—30
2. षटखंडागम (धर्वला, टीका प्रथम भाग)
(छन्द खंडाग मोहन कहा मात्र—10)
3. समराइच्च महा प्रथम भव (राजा, गुणसेन की अग्नि शर्मा तापच की निर्मंत्रित कर तपोव में शिति प्रतिष्ठित के लिए वापस प्रसंग पर्यन्त)—30

4. आराम सोहा कहा (विरहिणी आराम सीहा का पुत्र-दर्शन के लिए नामदेव के साथ पाटलिपुत्र आगमन पर्यन्त)—30

अभिस्तावित पुस्तकें : 1. षट्खंडागल धवला टीका (प्रथम भाग)—हीरालाल जैन
2. समराइच्च कहा—डॉ. रमेशचन्द्र जैन
3. प्रथम भव—साहित्य भण्डार मेरठ
4. समराइच्च कहा—स. डॉ. छगल लाल शास्त्री (भव 1, 2)

B. A. Part–II : URDU (Urdu Composition)

There shall be half paper of Urdu composition and shall carry 50 marks. This paper along with Hindi composition of 50 marks shall be of three hours duration.

Distribution of marks :

(a) Summary and substances of text prescribed 30 marks.

(1) Question of marks each One from prose selection and from poetry selection will be compulsory.

(b) Essay 10 (c) Grammar (Azdad Lins, Mohavral 10 marks).

Books Prescribed : (a) Samaya-e-Adab by Prof. Mumtaz Ahmad, Dr. Aslam Azad, Dr. Jaj Arshad, Dr. Israil Raza.

(b) Tarz-e-Nigarish by Sachidanandan Sinha.

URDU (Paper–II)

1. Hamare Inshajya—Prof. Mumtaz Ahmad
2. Gaudan—Prem Chand
3. Kahani Ke Roop—Prof. W. Ashrafi.

POETRY

1. Kalam-e-Mir—Edited by Moulvi Abdul Haque.
2. Bal.-e-Jibril—First ten ghazals & Five Nazms.

(Nazns : Lenin Khuda ke Hazoor men, faristrnka, geet Farma-n-e-Khodo, Kasjid-e-qartaba, Saquinama).

URDU (General) : Part–II

1. Ashar-e-Nazir—Hafiz S. Maneri
2. Gulzar-e-Naseem—Daya Shandar Naseem
3. Ashare-e-Akbar—Prof. S. Hassan
4. Bang-e-Dara—Iqubal (Ghazals only)

B. A. Part–II : URDU (Hons.) Paper–III

The following books are prescribed. Each books carries 25 Marks.

Prose :

1. Aab-e-Hayat (Panchwan Daur) Md. Husain Azad.
2. Welayti Ki Aap Biti (Suratul Khayal) Shad Azimabadi
3. Shikast-o-Fatah—Jameel Mazhari
4. Garhan—Bedi.

Paper–IV

The following books are prescribed. Each book carries 25 marks.

Poetry :

1. Mathnavi Soz-o-Gudoz-Shaaq Neemul Edited by Prof. M. Iqubal.
2. Divan-e-Ghalib—First 20 Ghazals.
3. Kalam-e-Aatash—Dr. Ejaz Husain.
4. Bal-e-Jubreel—Iqbal.

B. A. Part–II : इतिहास
(पास और सब्सिडियरी कोर्स)
द्वितीय-पत्र भारत का इतिहास (1526–1950)

1. बाबर—बाबर का आक्रमण, पानीपत की लड़ाई, बाबर-राजपूत संघर्ष, स्थान, मूल्यांकन, हुमायूँ, प्रारंभिक कठिनाईयाँ । बहादुरशाह, शेरशाह से संघर्ष, पतन के कारण, चरित्र एवं मूल्यांकन ।

2. शेरशाह—साम्राज्य विस्तार, सफलता के कारण, धार्मिक नीति एवं पतन ।

3. अकबर—पानीपत की दूसरी लड़ाई, साम्राज्य विस्तार, राजपूत नीति, शासन प्रबन्ध, धार्मिक नीति, हिन्दू नीति ।

4. जहाँगीर—खुसरो विद्रोह, धार्मिक नीति, शासनकाल की घटनाएँ मूल्यांकन ।

5. शाहजहाँ—विद्रोह दमन, पुर्तगाल युद्ध, दक्षिण नीति, उत्तराधिकारी युद्ध, धार्मिक नीति, स्वर्ण युग ।

6. औरंगजेब—हिन्दू विरोधी नीति और परिणाम, राजपूत नीति, पश्चिमी नीति, राज्य एवं आदर्श, मूल्यांकन ।

7. मुगल धार्मिक नीति—मुगल राजपूत सम्बन्ध, मुगलों की पश्चिमोत्तर सीमा नीति, दक्षिण नीति ।

8. मुगल शासन व्यवस्था—सामाजिक, आर्थिक व्यवस्था, मुगल साम्राज्य का पतन ।

9. पेशवा का उदय—बालाजी, बाजीराव, पानीपत का तृतीय युद्ध ।

10. भारत में यूरोपीय कम्पनी का आगमन—पुर्तगाल साम्राज्य का पतन, पुर्तगाल अंग्रेज संघर्ष, कर्नाटक युद्ध, बंगाल में अंग्रेजी राज्य की स्थापना, प्लासी युद्ध, बक्सर युद्ध, तुलनात्मक महत्व ।

11. अंग्रेज और मैसूर, मराठा-पंजाब-सिन्ध सम्बन्ध एवं विलयन, कारण एवं परिणाम ।

12. 1857 का विद्रोह—कारण, संगठन, असफलता के कारण, महत्व एवं परिणाम, आँग्ल-अफगान सम्बन्ध, वर्मा-अंग्रेज सम्बन्ध ।

13. लिटन, रिपन, कर्जन, इरविन शासनकाल, सामाजिक धार्मिक पुररूद्धार आन्दोलन ।

14. भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन, गाँधी युग, भारत छोड़ो आन्दोलन, माउन्टबेटन योजना, स्वतंत्रता प्राप्ति के तत्व ।

सहायक पुस्तकें—कुमार एवं कुमार : आधुनिक भारत का इतिहास । दीनानाथ वर्मा : आधुनिक भारत का इतिहास । चौधरी, दत्त, मजुमदार : आधुनिक भारत का इतिहास ।

B. A. Part–II : इतिहास (प्रतिष्ठा)
तृतीय-पत्र भारत का इतिहास (1206–1764)

1. तुर्क विधि का गठन (1206–1290)—कुतुबुद्दीन, इल्तुतमीस, बलबन के विशेष सन्दर्भ में । **2. दिल्ली सल्तनत का उदय (1290–1320)**—खिलजी प्रशासन एवं आर्थिक दशा **3. दिल्ली सल्तनत (1320–1398)**—तुगलक मुहम्मद बीन, तुगलक एवं फिरोज शाह, तुगलक के विशेष सन्दर्भ में, तैमूर का उदय । **4.** विजय नगर साम्राज्य का उदय एवं बहमनी साम्राज्य **5.** लोदी एवं मुगलों का आगमन । **6.** दिल्ली सल्तनत की प्रशासकीय व्यवस्था । **7.** सल्तनतकालीन सामाजिक एवं धार्मिक व्यवस्था । **8.** मुगलकाल की स्थापना (बाबर, हुमायूँ) । **9.** शेरशाह द्वितीय अफगान साम्राज्य की स्थापना एवं प्रशासन । **10.** अकबर साम्राज्य का विस्तार, धार्मिक नीति

अभिस्तावित पुस्तकें : 1. मध्यकालीन भारत—वी. डी. महाजन । **2. मध्यकालीन भारत**—राय चौधरी, दत्त एवं मजुमदार । **3. मध्यकालीन भारत**—कुमार एवं कुमार ।

चतुर्थ-पत्र : आधुनिक यूरोप का इतिहास (1789–1945)

1. फ्रांस की क्रांति—कारण, प्रकृति, राष्ट्रीय सभा के प्रमुख कार्य, बास का शासन

2. नेपोलियन—नेपोलियन का उदय, फ्रांस एवं यूरोप का योगदान उसके पतन के कारण । **3. वियना कांग्रेस**—यूरोप के सामान्य विचार । **4.** मेटरनीख क्रांति की प्रक्रिया, 1930 एवं 1948 की क्रांति। **5.** नेपोलियन III । **6.** आधुनिक यूरोप में पूँजीवाद का उदय एवं उत्थान । **7.** इटली एवं जर्मनी का फैलाव । **8.** पूर्वी एवं पश्चिमी ग्रीक की आजादी की लड़ाई, क्रीमीयन युद्ध, बर्लिन कांग्रेस । **9.** रूस का अलेक्जेण्डर II । **10.** 1870 के बाद जर्मनी, बिस्मार्क का योगदान । **11.** अफ्रीका में यूरोप का विस्तारवाद । **12. विश्व-युद्ध**—कारण, प्रकृति एवं प्रभाव । **13. 1917 की रूसी क्रांति**—कारण, प्रकृति एवं प्रभाव । **14.** भरसल सन्धि । **15. लीग ऑफ नेशन**—प्रमुख कार्य एवं पतन । **16. सोवियत रूस**—स्टालीन एवं लेनिन के प्रमुख कार्य । **17. इटली में फ्रांसिस्टवाद का उत्थान**—मुसोलिनी के प्रमुख कार्य । **18. जर्मनी में नाजीवाद का उत्थान**—हिटलर के प्रमुख कार्य । **19. द्वितीय विश्वयुद्ध**—कारण ।

अभिस्ताविक पुस्तकें—1. आधुनिक काल का इतिहास—केटलवी, 2. आधुनिक काल का इतिहास—डॉ. दीनानाथ वर्मा, 3. आधुनिक काल का इतिहास—सत्यकेतु विद्यालंकार ।

B. A. Part–II : राजनीतिशास्त्र (जनरल कोर्स)
द्वितीय-पत्र तुलनात्मक शासन एवं राजनीति
(अमेरिका, इंगलैण्ड, रूस, फ्रांस, स्वीट्जरलैण्ड)

(क) तुलनात्मक शासन एवं राजनीति के सिद्धान्त—1. प्रकृति एवं सीमा । 2. राजनीति प्रणाली एवं प्रक्रिया । तुलनात्मक राजनीतिक की पहुँच ।

(ख) इंगलैण्ड—1. इंगलैण्ड की राजनैतिक परम्परा । 2. लोकतंत्रीय सरकार, राजतंत्र, मंत्रिपरिषद् एवं संसद । 3. कानून के नियम एवं न्याय-प्रणाली । 4. राजनैतिक दबाव समूह ।

(ग) अमेरिका—1. अमेरिका की राजनीतिक परम्परा । 2. संघीय प्रणाली । 3. मौलिक अधिकार । 4. संघीय सरकार—राष्ट्रपति कांग्रेस एवं सर्वोच्च न्यायालय । 5. सोवियत दल एवं दबाव समूह ।

(घ) सोवियत रूस—1. सोवियत क्रांति विरासत । 2. सोवियत संघीय प्रणाली । 3. मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य । 4. वैज्ञानिक निर्माण—सर्वोच्च सोवियत, राष्ट्रपति या मंत्रिमंडलीय संघ एवं न्याय । 5. कम्युनिष्ट पार्टी । 6. सोवियत प्रजातंत्र ।

(ङ) फ्रांस—1. फ्रांस की राजनैतिक परम्परा । 2. पंचम गणतंत्र की मुख्य विशेषताएँ । 3. कार्यपालक राष्ट्रपति एवं मंत्रिपरिषद् । 4. विधानमंडल । 5. राजनैतिक दल एवं दबाव समूह ।

(च) स्वीट्जरलैण्ड—1. स्वीस राजनैतिक परम्परा । 2. संघीय प्रणाली । 3. संघीय परिषद् । 4. संघीय विधान । 5. संघीय न्याय । 6. प्रजातंत्र ।

अभिस्ताविक पुस्तकें—1. तुलनात्मक शासन एवं राजनीति—वीरकेश्वर प्रसाद सिंह ।
2. तुलनात्मक शासन एवं राजनीति—प्रभुदत्त शर्मा ।
3. तुलनात्मक शासन एवं राजनीति—गाँधीजी राय ।

राजनीतिशास्त्र (सब्सिडियरी)

पूर्णांक : 100] [समय : 3 घंटे

विश्व के प्रमुख संविधान—इंगलैण्ड, अमेरिका एवं भारत

(क) इंगलैण्ड—1. इंगलैण्ड की राजनीतिक परम्परा । 2. संसदीय सरकार—राजतंत्रीय मंत्रिपरिषद्, संसदीय । 3. कानून एवं न्याय-प्रणाली । 4. राजनैतिक दल एवं दबाव समूह ।

(ख) अमेरिका—1. अमेरिका की राजनैतिक परम्परा । 2. संघीय प्रणाली । 3. मौलिक अधिकार । 4. संघीय सरकार—राष्ट्रपति, सर्वोच्च न्यायालय की काँग्रेस । 5. राजनैतिक दल एवं दबाव समूह ।

(ग) भारत—1. मुख्य लक्षण, इसके सामाजिक, आर्थिक, दार्शनिक आधार । 2. मौलिक अधिकार । 3. राजनीति के मुख्य सिद्धांत । 4. संघ एवं राज्य संबंध । 5. संघीय विधान ।

6. लोकसभा । 7. सर्वोच्च न्यायालय । 8. राजनैतिक दल एवं दबाव समूह । 9. धार्मिक एवं राष्ट्रीय समीकरण ।

अभिस्तावित पुस्तकें—1. विश्व के प्रमुख संविधान—वीरकेश्वर प्रसाद सिंह, अनुप चन्द्र कपूर एवं गाँधीजी राय ।

B. A. Part–II : राजनीतिशास्त्र (प्रतिष्ठा)

तृतीय-पत्र : भारतीय राजनीति व्यवस्था

(अ) भारतीय राजनीति व्यवस्था का दार्शनिक एवं विचारधारा का स्रोत—1. संविधान सभा एवं भारतीय राजनीति की उपलब्धि । 2. भारतीय संविधान के दार्शनिक, सामाजिक एवं आर्थिक तत्व । 3. प्रस्तावना । 4. राजनीति के निर्देशक तत्व ।

(ब) सरकारी व्यवस्था—बनावट एवं कार्य ।

1. केन्द्रीय सरकार, वैधानिक, न्यायिक, संवैधानिक । 2. राज्य सरकार, वैधानिक, न्यायिक, संवैधानिक । 3. संविधान संशोधन के रूप । 4. लोक सेवा आयोग एवं निर्वाचन आयोग ।

(स) भारतीय राजनीति—1. स्वरूप एवं मूल । 2. आधार एवं निर्धारित—जातीयता, धार्मिकता । साम्प्रदायिकता, नवीनता एवं पौराणिकता । 3. राजनैतिक दल तथा दबाव समूह । 4. कर्तव्यच्युत । 5. मत व्यवहार ।

अभिस्ताविक पुस्तकें—1. भारतीय राजनीतिक एवं शासन—गाँधीजी राय ।

2. भारतीय राजनीतिक एवं शासन—पुखराज जैन ।

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति

चतुर्थ-पत्र (द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद)

1. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का अर्थ, स्वरूप एवं क्षेत्र । 2. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के शिक्षण के स्रोत । 3. अमेरिका से भारत का सम्बन्ध, सोवियत रूस से भारत का सम्बन्ध । 4. चीन से भारत का सम्बन्ध । 5. भारत एवं उसके पड़ोसी का सम्बन्ध विशेषकर पाकिस्तान, श्रीलंका, बंगला देश और नेपाल के सन्दर्भ में संयुक्त राष्ट्र संघ, उद्देश्य, संगठन एवं महत्व । 6. अहिंसात्मक आन्दोलन ।

अभिस्ताविक पुस्तकें—1. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति—फाड़िया, प्रभुदत्त शर्मा, गाँधीजी राय ।

B. A. Part–II : मनोविज्ञान (ऑनर्स)

पूर्णांक : 75] **तृतीय-पत्र : शिक्षा मनोविज्ञान** [समय : 3 घंटे

1. परिभाषा—शिक्षा और शिक्षा मनोविज्ञान के बीच अन्तर । **2. विधियाँ**—रेटिंग और कोट-विधिन केस-इतिहास और साक्षात्कार । **3.** बुद्धिकी माप, अभिक्षमता और उपलब्धि । **4. सीखना**—कार्यक्रमित सीखना । औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा, सीखने के प्रक्रिया में अभिप्रेरण का कार्य । **5. परीक्षा**—निबंधात्मक और वस्तुनिष्ठ परीक्षा । **6. बच्चों के विशेष ढंग की शिक्षा**—शारीरिक रूप से विकलांग, मानसिक रूप से मंद और समस्याग्रस्त बच्चे । **7. निर्देशन और परामर्श**—अर्थ, उद्देश्य और प्रविधि ।

सहायक पुस्तकें : 1. आधुनिक शिक्षा मनोविज्ञान—सुलेमान और सिन्हा ।

2. शिक्षा मनोविज्ञान—माथुर ।

Paper–IV

पूर्णांक : 75] **मनोविज्ञान का इतिहास या सम्प्रदाय** [समय : 3 घंटे

1. संरचनावाद, 2. प्रकार्यवाद, 3. व्यहारवाद—वाटसन और वाटसनवाद, 4. मनोविश्लेषणात्मक सम्प्रदाय—फ्राइड, युंग और एडलर, 5. नवफ्राइडवाद—कार्डिनार, हार्नी और रूट वेंडिक्ट 6. रोजर्स और मैसलो का मानवतावाद ।

सहायक पुस्तकें—1. मनोविज्ञान का संक्षिप्त इतिहास—ए. रहमान ।

2. मनोविज्ञान का समग्र इतिहास—ए. के. सिंह ।

पूर्णांक : 50] **प्रायोगिक** [समय : 3 घंटे

प्रयोग—20, परीक्षण—20, नोट बुक—10

परीक्षा में एक प्रयोग प्रदर्शित करना होगा ।

प्रयोग—1. औसत त्रुटि विधि द्वारा मूलर-लायर भ्रम की मात्रा का निर्धारण और सीमा विधि द्वारा । 2. अवधान विस्तार और अवधान विमनस्कता । 3. पुनःस्मरण और प्रत्यभिज्ञान ।

परीक्षण—एक परीक्षण का व्यवस्था करना होगा । शाब्दिक बुद्धि परीक्षण—मोहसिन बुद्धि परीक्षण और एम.सी. जोशी का सामान्य बुद्धि परीक्षण ।

व्यक्तित्वमापन—1. आइजेक व्यक्तित्व प्रश्नावली, 2. मोहसिन शमशाद व्यानुकूलन ।

सहायक पुस्तकें—1. मनोवैज्ञानिक प्रयोग और परीक्षण—मुहम्मद सुलेमान ।

B. A. Part–II : मनोविज्ञान (सब्सिडियरी) : द्वितीय-पत्र

पूर्णांक : 75] **असामान्य मनोविज्ञान** [समय : 3 घंटे

1. सामान्य और असामान्य में अंतर—असमान्यता के सम्बन्ध में विभिन्न धारणा । **2. अचेतन**—प्रकृति और प्रमाण, उपांह, अहं और पराहं । **3. दैनिक जीवन में मनोविकृतियाँ और मनोरचनाएँ**—दमन, उदातीकरण, प्रक्षेपण, युक्तयाभास । **4. स्वप्न**—मनोरचनाएँ और इच्छापूर्ति, स्वप्न के सिद्धान्त । **5.** मनःस्नायुविकृति और मनोविकृति में अंतर । **बीमारियाँ**—हिस्टीरिया, मनोग्रस्ति बाध्यता, मनोस्नायु विकृति और स्थिर व्यामोह—कारण और उपचार । **6. मनोचिकित्सा**—स्वरूप, उद्देश्य, मनःचिकित्सा के सामान्य मूल्यांकन ।

सहायक पुस्तकें—1. असामान्य मनोविज्ञान—सिन्हा और मिश्रा ।

2. आधुनिक असामान्य मनोविज्ञान—मुहम्मद सुलेमान ।

पूर्णांक : 25] **प्रायोगिक (सब्सिडियरी)** [समय : 3 घंटे

सांख्यिकी—10, प्रयोग—10, नोटबुक—5

सांख्यिकी—प्रसार, मानक विचलन, चतुर्थक विचलन ।

प्रयोग—1. मौखिक सीखना—साधारण पूर्वजन्म विधि और क्रमिक सीखना ।

2. संवेदी पेशीय सीखना—दर्पण आरेखन और कार्ड सॉर्टिंग का प्रयोग ।

3. औसत त्रुटि विधि द्वारा मूल्य, लायर-भ्रम की मात्रा का निर्धारण ।

4. पुनः स्मरण और प्रत्यभिज्ञान ।

सहायक पुस्तकें—1. मनोवैज्ञानिक प्रयोग, परीक्षण एवं सांख्यिकी—लक्ष्मी सिंह ।

2. मनोवैज्ञानिक प्रयोग और परीक्षण—मुहम्मद सुलेमान ।

मनोविज्ञान (सामान्य कोर्स)

Paper–II

(असामान्य मनोविज्ञान)

1. असामान्य मनोविज्ञान का संक्षिप्त इतिहास । असमान्यता के विभिन्न विचार । परिपक्वता की कसौटी । 2. मन का आकारात्मक और गत्यात्मक पहलू, दैनिक जीवन में मनोविकृतियाँ । 3. मनोलैंगिक विकास । 4. मानसिक संघर्ष और मनोरचनाएँ । 5. स्वप्न—स्वप्न कार्य, फ्राइड और युंग के स्वप्नों का सिद्धान्त । 6. मनःस्नायुविकृति—मनःस्नायुविकृतियाँ और मनोविकृतियाँ में अंतर, मनोग्रस्ति बाध्यता मनोस्नायुविकृति—कारण और निदान । उन्माद—कारण और नैदानिक स्वरूप । 7. मनोविकृतियाँ—स्थिर व्यामोह और मनोविदालिता कारण और निदान । 8. मनोचिकित्सा—अर्थ और उपयोग, मनोविश्लेषणात्मक चिकित्सा ।

सहायक पुस्तकें—1. आधुनिक असामान्य मनोविज्ञान—मुहम्मद सुलेमान ।

पूर्णांक : 25] **प्रायोगिक (सामान्य)** [समय : 3 घंटे

सांख्यिकी—10, प्रयोग—10, नोट बुक—5

सांख्यिकी—दिये गये सेट से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा ।

1. स्तंभाकृति और बहुभुज ग्राफ की तैयारी ।
2. विचलन की माप—स्टैण्डर्ड प्रसार, विचलन और चतुर्थक विचलन ।

प्रयोग—दिये गये सेट से एक का प्रयास करना होगा ।

1. मौखिक सीखना—साधारण पुर्नउत्पादन विधि और क्रमिक सीखना । अनुबोधन एवं पूर्वाभास ।
2. औसत त्रुटि विधि द्वारा मूलर-लायर भ्रम की मात्रा का निर्धारण ।

सहायक पुस्तकें—1. मनोविज्ञान प्रयोग और परीक्षण—मुहम्मद सुलेमान ।

B. A. Part–II : समाजशास्त्र (सामान्य)

द्वितीय-पत्र : भारतीय सामाजिक संस्थाएँ

1. भारतीय सामाजिक संस्थाएँ एक परीक्षण—विवाह वर्णाश्रम, संयुक्त परिवार, पुरुषार्थ, कर्म एवं स्त्रियों का स्थान । 2. मुस्लिम परिवार एवं विवाह, मुस्लिम स्त्रियों की स्थिति, तलाक । 3. भारतीय जाति-व्यवस्था, जाति-प्रथा विशेषताएँ । जाति परिवर्तन, जाति एवं वर्ग । 4. पंचायतीराज—बिहार के विशेष सन्दर्भ में संगठन, कार्य एवं दबाव । 5. सामूहिक विकास—अर्थ, लक्ष्य प्राप्त एवं आन्दोलन । 6. सर्वोदय एवं भूदान, सामाजिक विचार एवं आन्दोलन । 7. ग्रामीण समुदाय—अर्थ, स्वभाव, विशेषताएँ ।

अभिस्तावित पुस्तकें—1. भारतीय सामाजिक संस्थाएँ—रवीन्द्रनाथ मुखर्जी ।
2. भारतीय सामाजिक संस्थाएँ—जी. के. अग्रवाल ।

B. A. Part–II : समाजशास्त्र (सब्सिडयरी)

द्वितीय-पत्र : सामान्य मानवशास्त्र

1. मानवशास्त्र की प्रकृति एवं क्षेत्र, इसके विभाग एवं अन्य सामाजिक विज्ञान के साथ उपलब्ध । 2. पूर्व स्टोनकाल एवं न्यू स्टोनकाल का पूर्व इतिहास, उनके सांस्कृतिक विकास । 3. प्रजाति, प्रजातिवाद, विश्व प्रजाति का वर्गीकरण, भारत की प्रजातीय रीति । 4. विवाह, परिवार एवं नातेदारी । 5. धर्म एवं जादू, धर्म की उत्पत्ति की परिभाषा एवं अर्थ, धर्म, जादू में अन्तर । 6. आदिम अर्थव्यवस्था का स्वरूप, आदिम अर्थव्यवस्था में बदलाव एवं विशेषताएँ । 7. टोटम एवं टोटमवाद की विशेषताएँ । 8. युवागृह (युवा संगठन) संरचना एवं प्रकार्य । 9. जनजातियों में कानून एवं न्याय, प्रकृति एवं विशेषताएँ । 10. विचार में जनजातियों की समस्याएँ एवं जनजातीय सुरक्षा, प्रभाव । बिहार की जनजातियाँ या औद्योगीकरण एवं नगरीकरण का प्रभाव ।

अभिस्ताविक पुस्तकें—सामाजिक मानवशास्त्र की रूपरेखा—रवीन्द्रनाथ मुखर्जी ।

समाजशास्त्र (प्रतिष्ठा)

तृतीय-पत्र : समाज मनोविज्ञान

1. परिभाषा एवं क्षेत्र, अन्य समाज विज्ञान से सम्बन्ध । 2. अनुप्रेरणा—धारणा, मानव व्यक्तित्व के स्वरूप एवं प्रकार । 3. समाजीकरण—विचार, स्थिति, विधि, एजेन्सी, भीड़ बुले फ्रायड की परिभाषा । 4. अभिवृत्ति—धारणा, बनावट, अभिवृत्ति का निर्धारण एवं बदलाव । 5 संस्कृति एवं व्यक्तित्व—धारणा एवं अन्तर्मुखी सम्बन्ध । 6. नेतृत्व—धारणा, प्रकार, कार्य एव नेतृत्व के आकस्मिक कार्य । 7. समूह—धारणा, प्रकार, समूह स्थिति । 8. अफवाह—धारणा प्रकार परिभाषा एवं कला । 9. लोकविचार—धारणा निर्माण, माप एवं प्रजातंत्र का स्वरूप । 10 समूहगण—विचार, विशेषताएँ, समूहगण के सिद्धान्त एवं व्यवहार ।

अभिस्ताविक पुस्तकें—सामाजिक मनोविज्ञान—नगीना प्रसाद । सामाजिक मनोविज्ञान—रा बालेश्वर सिंह ।

चतुर्थ-पत्र : सामाजिक शोध

1. **सामाजिक शोध एवं सर्वेक्षण**—धारणा, सामाजिक शोध एवं सामाजिक सर्वेक्षण भिन्नताएँ ।

2. **वैज्ञानिक पद्धति**—अर्थ एवं विशेषताएँ ।
3. परिकल्पना, विशेषताएँ, प्रकार, सीमाएँ, महत्व ।
4. **सामग्री की पद्धति**—(i) अवलोकन, (ii) व्यक्तित्व का अध्ययन, (iii) साक्षात्कार ।
5. **निर्देशन**—धारणा, प्रकार, प्रबलता एवं विश्वसनीयता, निर्देशन ।
6. **टूल**—(i) प्रश्नावली एवं अनुसूची (ii) निर्माण—लिकट, बोगार्डस, सोसियो मेट्री ।
7. **शोध प्रारूप**—अन्वेषणात्मक एवं वर्णनात्मक शोध प्रारूप ।

अभिस्ताविक पुस्तकें—सामाजिक अनुसंधान और सर्वेक्षण—रवीन्द्र मुखर्जी ।
सामाजिक अनुसंधान—ओम प्रकाश वर्मा ।

B. A. Part–II : अर्थशास्त्र (सामान्य)

प्रथम-पत्र : मैक्रो अर्थशास्त्र

1. मैक्रो अर्थशास्त्र की प्रकृति एवं महत्व, राष्ट्रीय आय खाता ।
2. **मुद्रा**—विकसित एवं अविकसित अर्थशास्त्र में मुद्रा का स्वरूप, मुद्रा का मूल्य, निर्देशक, मुद्रा का परिणाम सिद्धान्त, बचत एवं विनियोग सिद्धांत, मुद्रा स्फीति, वस्तुनिष्ठ मौलिक नीति ।
3. शाखा बैंकिंग एवं इकाई बैंकिंग, साख का निर्माण, साधनों के वितरण, सेन्ट्रल बैंकिंग साख, नियंत्रण के सिद्धांत । भारतीय मुद्रा बाजार ।
4. I.M.F. एवं I.B.R.D. का वस्तुनिष्ठ कार्य ।
5. **अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार**—अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में तुलनात्मक लागत सिद्धान्त : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ । भुगतान संतुलन एवं भुगतान को दूर करने के उपाय ।
6. स्वतंत्र व्यापार बनाम संरक्षण ।

अभिस्ताविक पुस्तकें—मैक्रो अर्थशास्त्र—एल. एम. राय ।
मुद्रा एवं मौद्रिक समस्यायें—एल. एम. राय ।

B. A. Part–II : अर्थशास्त्र (सब्सिडियरी)

द्वितीय-पत्र : भारतीय अर्थशास्त्र एवं नियोजन

1. योजना ।
2. **योजना के प्रकार**—पूँजीवाद, समाजवाद एवं मिश्रित आर्थिक योजना इन्डर्समेन्ट तथा डायरेक्टर द्वारा ।
3. **भारतीय अर्थशास्त्र की विशेषताएँ**—दरिद्रता, बेरोजगारी तथा उसका उन्मूलन ।
4. **जनसंख्या**—रूप और विकास, जनसंख्या नीति ।
5. **प्राकृतिक साधन**—वन, नीति, ऊर्जा नीति ।
6. **कृषि**—कृषि के पिछड़ेपन का कारण ।
7. **भूमि सुधार**—जोत की सीमा निर्धारण, सामूहिक कृषि, चकबन्दी, सहकारी कृषि ।
8. कृषि-साख, सहकारी व्यवसायिक बैंक, ग्रामीण बैंक, NABARD।
9. कृषि विकास के नये स्रोत, हरित क्रांति ।
10. 1956, 1977, 1980 की औद्योगिक नीति ।
11. **वृहत् उद्योग**—लोहा एवं इस्पात, सीमेंट, चीनी एवं जूट।
12. **लघु उद्योग**—आवश्यकता एवं समस्याएँ ।
13. **भारत का वैदेशिक व्यापार**—स्वरूप एवं रचनात्मक ।
14. सातवीं पंचवर्षीय योजना के विशेष संदर्भ में भारतीय पंचवर्षीय योजना ।

अभिस्ताविक पुस्तकें—**आर्थिक नियोजन एवं भारतीय अर्थव्यवस्था**—एल. एम. राय
भारतीय अर्थव्यवस्था—रूद्रदत्त तथा सुन्दरम् ।

B. A. Part–II : अर्थशास्त्र (प्रतिष्ठा)

तृतीय-पत्र : भारत की आर्थिक समस्याएँ (स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद)

1. भारतीय अर्थशास्त्र की मूल विशेषताएँ । भारतीय राष्ट्रीय आय एवं प्रगति के नियम ।

2. भारतीय जनसंख्या का आकार एवं विकास, जनसंख्या नीति एवं कार्यक्रम ।

3. कृषि—आर्थिक विकास, कृषि की भूमिका । उत्पादकता के नियम, आवश्यकता में अस्थिरता एवं खद्य वितरण का टकराव, हरित क्रांति ।

4. भूमि सुधार, सुधार की आवश्यकता, जमींदारी उन्मूलन, जोतों की सीमा निर्धारण, जोतों का आकार एवं उत्पादकता, सहकारी एवं एकत्रित कृषि ।

5. साख—साख के साधन, सहकारी साख, नियम बैंक भूमि विकास, राष्ट्रीयता, व्यावसायिक बैंक, लीड बैंक नियम, ग्रामीण बैंक NABARD ।

6. कृषि, मजदूरी एवं स्तर, न्यूनतम मजदूरी की व्यवस्था एवं पूर्ण करना ।

7. उद्योग—1956, 1977, 1980 के बाद औद्योगिक नीति, भारत में आर्थिक विकास की भूमिका सार्वजनिक क्षेत्र में । **विस्तृत उद्योग**—लोहा एवं इस्पात, चीनी सूती वस्त्र, सीमेंट ।

8. लघु उद्योग—आर्थिक विकास में उसकी भूमिका, लघु उद्योग की समस्यायें एवं कुटीर उद्योग, पंचवर्षीय योजना में लघु उद्योग ।

9. औद्योगिक वित्त—वित्त के साधन, औद्योगिक वित्त निगम (IFC), राज्य वित्त निगम (SFC), भारत का औद्योगिक विकास बैंक (IDBI) ।

10. औद्योगिक श्रम—भारत में श्रमिक संघ आन्दोलन, श्रम-कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा माप ।

11. विदेशी व्यापार—झुकाव, भारत के वैदेशिक व्यापार की संरचना एवं सुझाव ।

12. यातायात—आर्थिक विकास में सहायता की भूमिका । पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत रेल, सड़क यातायात ।

13. बेरोजगारी—प्रकृति एवं प्रकार, पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत बेरोजगारी, NREP ।

14. 1951 से भारत की मूल्य नीति ।

15. सातवीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत भारतीय योजना—उद्देश्य, रचना, वित्तीय साधन, गरीबी उन्मूलन प्रोग्राम सातवीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत ।

लोक अर्थशास्त्र

चतुर्थ-पत्र : लोक अर्थशास्त्र की प्रकृति

लोक वित्त—अधिकतम सामाजिक लाभ की परिभाषा, मूल्य एवं लाभ, कराधन की परिभाषा । कर देय क्षमता के सिद्धांत, कर भाव की समस्या एवं प्रभाव, कराधन के प्रकार प्रत्यक्ष एवं परोक्ष । अनुपाती कर एवं प्रगतिशील कर । **लोक व्यय**—लोक व्यय के विकास । लोक व्यय के प्रभाव । **लोक ऋण**—लोक ऋण के प्रकार, लोक ऋण के विभिन्न प्रकार एवं भुगतान, संघीय वित्त व्यवस्था के सिद्धांत । **लोक उपक्रम**—लोक उपक्रम का उद्देश्य, लोक उपक्रम के प्रकार, लोक उपक्रमों की मुख्य नीति, लाभप्रद एवं उत्तरदायित्व, लोक उपक्रम, 1948 ई. से लोक क्षेत्र में विकास, भारत में राजकीय उपक्रमों की कार्यशीलता, भारत में बेरोजगारी एवं पूर्ण रोजगार ।

अभिस्तावित पुस्तकें—भारत में लोक उद्योग—बी. ए. त्रिपाठी ।

राजस्व के सिद्धान्त—डॉ. सुमन । **राजस्व के सिद्धांत**—एल. एम. राय ।

B. A. Part–II : गृह विज्ञान (सामान्य)

अंक विभाजन :

(a) वस्त्र एवं परिधान (b) बाल विकास (c) पारिवारिक सम्बन्ध — 75 अंक

प्रायोगिक — 25 अंक

दोनों खण्डों से कम-से-कम दो प्रश्नों के उत्तर दें ।

1. तन्तुओं का वर्गीकरण । 2. सूत का निर्माण एवं बुनाई । 3. सूती, सिल्क, ऊन एवं रासायनिक विशेषताएँ । 4. परिसज्जा देने की विधि । 5. भारत का निर्यात वस्तु । 6. परिधान रख-रखाव एवं संरक्षण ।

खण्ड–ख : बाल विकास

1. भारत में शारीरिक संवेगात्मक, सामाजिक विकास । बाल्यावस्था से आदत छुड़ाना । **2. छुड़ाना**—दूध छुड़ाना, स्तनपान छुड़ाना, कृत्रिम-पौष्टिक भोज्य से संबंध । **3. बाल्य विद्यालय वर्ष**—शारीरिक, सामाजिक, संवेगात्मक एवं बुद्धि विकास । **4. खेल**—सिद्धांत एवं प्रमुखता । **5. विद्यालय अवस्था**—शारीरिक, सामाजिक, संवेगात्मक, बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास 6-12 वर्ष तक । **6.** यौवन एवं अपराध की समस्यायें ।

प्रायोगिक—प्रारूप, कटाई, सिलाई, कुर्त्ता, ब्लाउज, पैजामा, 12 वर्ष के लिए कुर्ता कटाई ।

गृह विज्ञान (सब्सिडियरी)

(क) वस्त्र कला एवं परिधान

1. तन्तुओं का वर्गीकरण । 2. सूत का निर्माण, बुनाई एवं परिसज्जा । 3. सूती, सिल्क, ऊन एवं रासायनिक विशेषताएँ । 4. परिधान का रख-रखाव एवं संरक्षण ।

(ख) बाल विकास

1. नवजात शिशु—शारीरिक संवेगात्मक सामाजिक विकास, बाल्यावस्था के आदत छुड़ाना प्रथम वर्ष से । **2. छुड़ाना**—स्तनपान छुड़ाना, दूध छुड़ाना, पौष्टिक खाद्य से सम्बन्ध । **3. बाल्य विद्यालय**—शारीरिक, संवेगात्मक, सामाजिक एवं बौद्धिक विकास । **खेल**—सिद्धांत, प्रमुखता एवं खेल सामग्री ।

(ग) पारिवारिक संबंध

1. परिवार—सूत कार्य, संयुक्त एवं मूल परिवार, उनके लाभ, हानि । **2. विवाह**—प्रकार, कार्य, नैतिक, विवाह में एकीकरण । **3.** माता-पिता एवं बच्चों का संबंध, सिवलिन संबंधी एकाकीय अभिभावकीय । **4.** भारतीय समाज में वृद्धि की जगह, वृद्ध का सामाजिक, वार्षिक एकीकरण की समस्या ।

प्रायोगिक—प्रारूप, कटाई, साड़ी की सिलाई, पेटीकोट, ब्लाउज, चूड़ीदार एवं जनानी कुर्ता, इम्ब्रोडरी, तकिया खोल 4 पीस ।

B. A. Part–II : गृह विज्ञान (प्रतिष्ठा)

1. रोगी की सुरक्षा तरीका । **2.** संतुलित पथ्य का रूपान्तर, तरल एवं हल्का पथ्य, पथ्य की तैयारी, पालन-पोषण के नियोजन एवं गणना, प्रत्येक अवस्था का निर्देश । **3.** उच्च तापमान इकाई एवं निम्न तापमान इकाई, खाद्य, निम्न माप, उच्च माप । **4. ताप**—टाईफड । **5.** उच्च ताप, खाद्य अपच । **6. कार्बोहाइड्रेट**—अवरोध, आहार मधुमेह, मेलीटोस । **7.** सोडियम अवरोध आहार-हृदय-रोग। **8. कोमल आहार**—अल्सर । **9. संतुलित आहार**—अल्सर । **10. खाद्य**—कमजोरी (एलर्जी) ।

सहायक पुस्तकें—आहार एवं पोषण विज्ञान : डॉ. प्रमिला वर्मा एवं कान्ति पाण्डे ।

चतुर्थ पत्र : गृह व्यवस्था

1. गृह-व्यवस्था के सिद्धांत, मूल्य, लक्ष्य एवं स्तर, व्यवस्था स्वरूप, योजना निर्देशन, निर्णय, प्रक्रिया, स्वरूप, अच्छी गृह-व्यवस्था का स्तर । **2.** गृह-व्यवस्था के पारिवारिक साधन, गृह-व्यवस्था की परिभाषा, वर्गीकरण एवं व्यवस्थाएँ । **3.** समय व्यवस्थापन । **4. ऊर्जा व्यवस्थापन**—कार्य सरलीकरण । **5. धन व्यवस्थापन**—परिवार के प्रकार, बजट लेखा-जोखा, बचत खर्च । **6.** परिवार की विभिन्न जरूरतों के लिए रूम की योजना । **7. गृह-व्यवस्था के साधन**—प्रतिदिन, साप्ताहिक एवं घर की वस्तु, सफाई। द्रव्य की सफाई, ग्लास, क्रॉकरी, लकड़ी एवं अन्य की सफाई । **8. अन्तर्सुसज्जा**—निर्णय का रूप, सज्जा के सिद्धांत, रंग, छत की विभिन्न

प्रकार की सजावट । **9. फर्नीचर की सफाई**—चुनाव के प्रकार, फर्नीचर की खरीद, फर्नीचर की देखभाल ।

अभिस्ताविक पुस्तकें—गृह व्यवस्था : डॉ. कान्ति पाण्डे

प्रतिष्ठा गृह विज्ञान (प्रायोगिक)

1. थ्योरी पेपर में वर्णित विभिन्न तरह के बीमारियों के लिए पथ-आहार की तैयारी करना । 2. रंगचक्र बनाना और रंगचक्र बनाकर उसमें विभिन्न रंगों के द्वारा संयोजन दिखलाना । 3. विभिन्न कमरों में फर्नीचर का साज-सज्जा तैयार करना । विभिन्न तरीकों से पुष्प-सज्जा की व्यवस्था करना । 4. भोजन बनाने में विभिन्न उपकरण तथा अन्य घरेलू उपकरणों की सफाई करना ।

B. A. Part–II : दर्शनशास्त्र (सामान्य)

1. दर्शनशास्त्र की प्रकृति, विज्ञान एवं धर्म से संबंध । **2. तत्व विज्ञान सिद्धांत**—भौतिकवाद, प्रत्ययवाद, अनुभववाद । **3. प्रमाण विज्ञान के सिद्धांत**—बुद्धिवाद, अनुभववाद, समीक्षावाद, वस्तुवाद, प्रत्ययवाद । **4. ईश्वरवाद के सिद्धांत**—अनेकेश्वरवाद, केवल निमितेश्वरवाद, निमितोपादा-नाश्वरवाद, ईश्वरवाद । **5.** सृष्टि एवं विकास का डार्विन सिद्धांत । **6. सभ्यता का सिद्धांत**—सदोहितावाद एवं सामंजस्यवाद, व्यावहारिकतावाद ।

अभिस्ताविक पुस्तकें—1. दर्शनशास्त्र की रूपरेखा—प्रो. राजेंद्र प्रसाद ।
2. तत्व विज्ञान—ए. के. वर्मा ।

दर्शनशास्त्र (अनुपूरक)

द्वितीय-पत्र : तत्व, विज्ञान एवं नीतिशास्त्र

दर्शनशास्त्र की प्रकृति, ज्ञान के साधन संबंधी सिद्धांत, अनुभववाद, समीक्षावाद ।

तत्व सम्बन्धी मत का सिद्धांत, भौतिकवाद, प्रत्ययवाद ।

ईश्वरवाद एवं विश्व के संबंधित सिद्धांत ।

ईश्वरवाद, केवलोपादानेश्वर, केवल निमितेश्वरवाद ।

नीतिशास्त्र की प्रकृति, नैतिक एवं अनैतिक सक्रिय ।

नैतिक निर्णय के प्रकृति एवं वस्तु नैतिक मान्यताएँ ।

नैतिक सिद्धांत—सुखवाद, पूर्णतावाद, कठोरतावाद ।

अभिस्तावित पुस्तकें—1. दर्शनशास्त्र की रूपरेखा—प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ।
2. आचार शास्त्र—प्रो. ए. के. वर्मा ।

B. A. Part–II : दर्शनशास्त्र (प्रतिष्ठा)

तृतीय-पत्र : नीतिशास्त्र

1. नीतिशास्त्र का स्वरूप । **2. नैतिक प्रत्यय**—उचित एवं शुभ, कर्त्तव्य-दायित्व । 3. नैतिक तथा नीति शून्य कर्म । 4. नैतिक कर्म का विश्लेषण । 5. नैतिकता की आवश्यकता 6. नैतिक मान्यता के स्वरूप । 7. **नैतिक प्रयोजन के विषय**—प्रयोजन, अभिप्राय । **8. नैतिकता का मापदण्ड**—बाह्य नियम, सुखवाद, बुद्धिवाद, अन्तः प्रजावाद, आत्मपूर्णतावाद । **9. दण्ड के सिद्धांत**—प्रतिकार, सुधारवाद तथा अन्य । **10. वर्णाश्रम**—पुरुषार्थ, गीता की नीति ।

अभिस्तावित पुस्तकें—1. आचार शास्त्र—प्रो. ए. के. वर्मा **2. नीतिशास्त्र**—प्रो. बी. एन. सिंह

चतुर्थ पत्र, पाश्चात्य दर्शन का इतिहास

देकार्त सिद्धांत, आत्मा का स्वरूप, ईश्वर गुण । विस्तार तर्क, विश्व द्रव्य विचार तथा मन और शरीर संबंध ।

स्पिनोजा—विस्थापन, द्रव्य विचार, गुण, प्रयास तथा मन और शरीर संबंध ।

लाईव निट्ज—मोनाईस, ईश्वर, पूर्व स्थापित सामंजस्य, जन्मजात प्रत्ययों का खण्डन, सरल तथा मिश्रित प्रत्यय, द्रव्य विचार, मूल-गुण एवं उपगुण ।

वर्कले—मत का खण्डन, सत्ता का अनुभवमूलक ।

हम—संस्कार तथा प्रत्यय, कार्य, कारण तथा संदेहवाहक ।

कान्ट—धारणा, ज्ञान की रचना, सन्देहवाद, समय तथा दूरी पदार्थ, घटनाएँ तथा परासता ।

अभिस्तावित पुस्तकें—पाश्चात्य दर्शन—बद्रीनाथ सिंह, ए. के. वर्मा एवं वाई मसीह ।

प्राचीन भारत एवं एशियायी अध्ययन (प्रतिष्ठा)

तृतीय-पत्र : दक्षिणी-पूर्वी एशिया का सांस्कृतिक इतिहास

(प्रथम शताब्दी से 1500 ए. डी.)

पाठ्य—सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक कला एवं संस्कृति, भाषा एवं साहित्य (कम्बोडिया, चम्पा, श्याम) इन्डोनेशिया (जावा एवं सुमात्रा) ।

अभिस्तावित पुस्तकें—1. दक्षिण-पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति—सत्यकेतु विद्यालंकार ।
2. दक्षिण-पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति—आर. एन. पाण्डेय ।

अथवा, भारतीय कला संस्कृति एवं पुरातत्व ।

पाठ्य—भारतीय कला का इतिहास, मौर्य कला, शुंग कला, गंधार कला, मथुरा कला, अजन्ता पेंटिंग, संस्कृति, अशोक स्तम्भ, साँची स्तूप, भरहुत स्तूप, भाषा एवं काली गुफाएँ, गुप्ता मंदिर, ओरिसन मन्दिर (लिंगराज एवं कोणार्क) खजुराहो मन्दिर (खंडारिक महादेवा मन्दिर), एलोरा मन्दिर (कैलाश नाथ), बल्लभ संस्कृति (महाबली पूरम पथ), चोला मन्दिर (बृहदेश्वर) ।

पुरातत्व—पुरातत्व से परिचय, भारतीय पुरातत्व का इतिहास, जगह की व्याख्या । एक्सकोमिटों का सिद्धांत ।

अभिस्तावित पुस्तकें—प्राचीन भारतीय संस्कृति और कला—राजकिशोर प्रसाद ।

B. A. Part–II : प्राचीन भारतीय राजनीति

चतुर्थ-पत्र : (वैदिक युग से 637 ए. डी.)

धारणा—राज्य की उत्पत्ति सप्तांग सिद्धांत, राज्य के कार्य एवं धारणों । राजतंत्र की उत्पत्ति, सभा एवं समिति, प्रजातंत्र, प्रजातंत्र से दृढ़ एवं कमजोर बिन्दु एवं विशेषताएँ ।

मंत्रिपरिषद्—मौर्य का प्रशासन, गुप्त, हर्ष एवं सातवाहन ।

ग्राम प्रशासन, शहरी प्रशासन, राज्य का मण्डल सिद्धांत, कराधन आय-व्यय ।

अभिस्तावित पुस्तकें—1. प्राचीन भारतीय शासन पद्धति—अलकेतर,
2. प्राचीन भारतीय राजनीति तथा शासन-व्यवस्था—राधाकृष्ण चौधरी,
3. प्राचीन भारत में राजनीति शासन-व्यवस्था—सत्यकेतु विद्यालंकार ।

प्राचीन भारत का सामाजिक तथा आर्थिक इतिहास (जेनरल कोर्स)

(आरम्भ से 647 AD) द्वितीय-पत्र

खण्ड-क : सामाजिक इतिहास

सामाजिक इतिहास की धारणा, वर्ण तथा जाति, व्यवस्था, आश्रम प्रथा संस्कार, विवाह, स्त्रियों की स्थिति, पुत्र के प्रकार, गुरुकुल-प्रथा, अध्यापक तथा विद्यार्थी का सम्बन्ध, शिक्षा, छुआछूत, शैक्षिक संस्थान—नालन्दा, तक्षशिला, विक्रमशिला ।

खण्ड-ख : आर्थिक विकास

पाठ्यांश—कराधान, कृषि, मिल्ड्स, व्यापारिक तथा औद्योगिक, वाणिज्य, भूमि का अधिकार, आर्थिक इतिहास की धारणा ।

अभिस्तावित पुस्तकें—1. प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति—अलकेतर, 2. प्राचीन भारत का आर्थिक इतिहास—राधाकृष्ण चौधरी, 3. प्राचीन भारत का धार्मिक, सामाजिक तथा आर्थिक इतिहास—सत्यकेतु विद्यालंकार । 4. प्राचीन भारतीय संस्कृति—विनोदचन्द्र पाण्डेय ।

प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास अनुपूरक

(हिन्दू सभ्यता से 647 AD) द्वितीय-पत्र

खण्ड–क : सामाजिक इतिहास

पाठ्य—सामाजिक इतिहास की धारणा, संस्कार, वर्ण तथा आश्रम ।

विवाह—स्त्रियों की स्थिति, सुरक्षा, छुआछूत, पुत्र के प्रकार ।

शिक्षा—प्राचीन भारत की शैक्षिक संस्थाएँ (नालन्दा, विक्रमशिला, तक्षशिला विश्वविद्यालय)

खण्ड–ख : सामाजिक इतिहास

कराधान, कृषि, गिल्ड्स, व्यापार तथा वाणिज्य, भूमि का अधिकार ।

नोट—ऐतिहासिक जगहों की यात्रा सिलेबस का अंग है ।

B. A. Part–II : श्रम एवं समाज कल्याण (प्रतिष्ठा)

तृतीय-पत्र : श्रमिक संघ तथा श्रमिक आन्दोलन

1. श्रमिक संघ—अर्थ, उत्पत्ति तथा विकास कार्य । श्रमिक संघ विकास के मूल्य की गणना । 2. श्रमिक आन्दोलन का सिद्धांत, मार्क्स सिद्धांत, बीमा सिद्धांत, पेरिमन सिद्धांत, गाँधी सिद्धांत । 3. श्रमिक संघ का कार्य तथा उद्देश्य । आधुनिक समाज में श्रमिक संघ का रूप । 4. श्रमिक संघ पद्धति । संयुक्त बीमा, सामूहिक सम्पत्ति तथा राजनैतिक कार्य, न्यायिक निर्णय । 5. श्रमिक संघ के निर्णय, कार्य, कला, औद्योगिक एवं सामान्य संघ । लोकल एवं राष्ट्रीय संघ, श्रमिक संघ, महासंघ, भारत में श्रमिक संघ की बनावट । 6. प्रजातंत्रीय श्रमिक संघ की सरकार तथा प्रशासन, भारत में संघीय सरकार की आवश्यक क्षमता । 7. ब्रिटिश श्रमिक संघ आन्दोलन का इतिहास तथा मुख्य सिद्धांत, विभिन्न काल की मुख्य घटनाएँ । 8. ब्रिटिश श्रमिक संघ, कांग्रेस एवं श्रमिक दल में सम्बन्ध । **9. भारतीय श्रमिक संघ आन्दोलन के मुख्य सिद्धांत**—विभिन्न काल की मुख्य घटनाएँ । 10. श्रमिक संघ नेतृत्व तथा भारत में राजनैतिक मान्यता । बहिर्मुखी नेतृत्व का परिणाम । केन्द्रीय श्रमिक संघ, महासंघ तथा राजनैतिक दल । मान्यता प्राप्त तथा समान्यता प्राप्त संघ । 11. भारतीय श्रमिक संघ में मद्यपान तथा बलवाई और उसके परिणाम, उच्च चरित्र, श्रमिक संघ की निश्चयता के लिए स्वीकृति संघ । 12. भारतीय श्रमिक संघ अधिनियम 1925, श्रमिक संघ निबंधन नियम एवं अधिकार तथा श्रमिक संघ का उत्तरदायित्व ।

अभिस्तावित पुस्तकें—1. पी. आर. सिन्हा—श्रम तथा समाज कल्याण ।

2. V. V. Giri—Labour Problem in Indian Industries.

चतुर्थ-पत्र : औद्योगिक सम्बन्ध तथा सामूहिक सौदेबाजी

[समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 100]

1. औद्योगिक सम्बन्ध—अर्थ, क्षेत्र, मुख्य पहलू, सहयोग तथा संघर्ष । श्रमिक लक्ष्य एवं व्यवस्था में सहयोग तथा टकराव । **2. औद्योगिक विवाद**—प्रकार, कारण तथा भारत में औद्योगिक विवाद सुलझाने में व्यवहृत तरीके । औद्योगिक शांति के लिए सामूहिक सौदेबाजी, अधिनिर्णय का अनिवार्य पंच निर्णय, ऐच्छिक पंच निर्णय । **3. हड़ताल**—प्रचार, कारण, हड़ताल का प्रभाव, नियोजकों तथा समाज में हड़ताल का अधिकार, भारत में हड़ताल की स्थिति । **4.** औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947, औद्योगिक विवाद, निवारक तथा निबटाने के तरीके, हड़ताल तथा तालाबन्दी । **5. सामूहिक सौदेबाजी**—अर्थ तथा क्षेत्र, सामूहिक सौदेबाजी के सिद्धांत, बाजार सिद्धांत, प्रबंध सिद्धांत, सरकारी सिद्धांत । 6. सौदेबाजी इकाई, सौदेबाजी एजेन्ट, डिटरमिनिंग सौदेबाजी, इकाई में कारक, सौदेबाजी एजेन्ट । 7. सामूहिक एग्रीमेंट के प्रमुख बिन्दु, सामूहिक एग्रीमेंट में समय तथा कानूनी रूकावट तथा बदलाव । 8. भारत में सामूहिक सौदेबाजी एवं विकास । सामूहिक सौदेबाजी में बाधा पहुँचाने वाले तत्व । **9. श्रमिक प्रबन्ध नियम**—श्रमिक प्रबन्ध नियम की सफलता के लिए विभिन्न स्रोत एवं प्रकार तथा स्वरूप। **10.** श्रमिक प्रबन्ध नियम, भारत में संयुक्त प्रबन्ध परिषद् का विकास । **श्रमिक सहभागिता योजनाएँ**—

उद्योग, दुकान, छत तथा अन्य व्यावहारिक और सरकारी संगठन, भारत में श्रमिक प्रबन्ध निगम की विकलांगता । **11. अनुशासन, कानून तथा कन्डक्ट कानून**—मुख्य धारा तथा सम्बन्धित समस्याएँ । **12.** भारतीय श्रमिक बैठक तथा श्रमिक संघ की स्थापना का कार्य ।

अभिस्तावित पुस्तकें—श्रम तथा कल्याण—पी. आर. एन. सिन्हा ।

श्रम एवं समाज कल्याण (सामान्य)

द्वितीय-पत्र : सामाजिक तथा भारत में समाज कल्याण

1. परिवार—संयुक्त परिवार के प्रकार, कार्य तथा उपलब्धियाँ । इकाई परिवार की समस्याएँ, परिवार विघटन । **2. जाति**—प्रकृति, विशेषताएँ, जाति उत्पत्ति के सिद्धांत, जाति कार्य तथा आधुनिक समय में प्रजातंत्रीय जाति । **3. सामाजिक कल्याण**—उद्देश्य, समाज कल्याण में बदलाव की पहुँच । **4. भारत में निर्धनता**—मात्रा की समस्या । निर्धनता के कारण, निर्धनता माप से लड़ाई, सरकारी विशेष निर्धनता मापन । **5. श्रम कल्याण**—अर्थ, क्षेत्र, एजेन्सी तथा विभिन्न पहुँच । **6.** भारत में सरकारी श्रम कल्याण मापन नीति, राज्य सरकार नियोजन तथा श्रमिक संघ । **7. बाल कल्याण**—बालकों को विभिन्न इकाइयाँ, समस्याएँ भारत में सरकारी कल्याण मापन । केन्द्रीय सामाजिक कल्याण बोर्ड, राष्ट्रीय ऐच्छिक अभिकरण की भूमिका । **8. बाल अपराध**—अर्थ, कारण, बाल-अपराध रोकने के उपाय, बाल अपराध तथा सामाजिक न्याय । **9. स्त्री-कल्याण**—सरकारी तंत्र द्वारा माप की जरूरत, केन्द्रीय कल्याण बोर्ड तथा राष्ट्रीय ऐच्छिक अभिकरण के क्षेत्र में भूमिका । **10. अनुसूचित जाति तथा जनजाति और पिछड़े वर्ग**—कल्याण, उनकी समस्याएँ । भारत सरकार तथा बिहार की संवैधानिक अड़चनें । **11. मुख्य राष्ट्रीय समाज कल्याण एजेन्सी**—केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, अखिल भारतीय स्त्री सभा । भारतीय बाल कल्याण परिषद् भारतीय रेडक्रास सोसायटी, रामकृष्ण मिशन ।

श्रम एवं समाज कल्याण (सब्सिडियरी)

द्वितीय-पत्र : समाज कल्याण

1. समाज कल्याण—अर्थ, क्षेत्र बदलाव के स्रोत । **2. श्रम कल्याण**—अर्थ, क्षेत्र तथा भारत में श्रम कल्याण का मापन । **3. बाल कल्याण**—बालकों की समस्यायें तथा भारतीय बाल कल्याण, भारतीय बाल विकास संस्था । **4. महिला कल्याण**—समस्याएँ—भारत में सरकारी महिला कल्याण का मापन, सेन्ट्रल बोर्ड की भूमिका । **5. जनजाति**—अनुसूचित जाति तथा पिछड़ी जाति का कल्याण एवं उनकी समस्याएँ । भारत तथा बिहार सरकार द्वारा संवैधानिक सुरक्षा तथा मापन । **6. परिवार**—अर्थ, प्रकार, कार्य, संयुक्त परिवार की समस्यायें तथा आधुनिक ट्रेंड । **7. जाति**—अर्थ, उत्पत्ति, वर्गीकरण, कार्य तथा आधुनिक काल में जाति । **8. बाल-अपराध**—कार्य, कारण, मापन तथा निवारण । **9. निर्धनता**—अर्थ, कारण, प्रकार, मापन तथा निवारण । **10. भीखमंगी**—अर्थ, कारण, प्रकार, भीखमंगी ।

अभिस्तावित पुस्तकें—श्रम तथा समाज कल्याण—पी. आर. एन. सिन्हा ।

B. A. Part–II : भूगोल (पास तथा सब्सिडयरी)

पूर्णांक : 75] द्वितीय पत्र : भारत का भूगोल [समय : 3 घंटे

1. भू-आकृति—बनावट, मानसून, मिट्टी, प्राकृतिक वनस्पति । **2. मुख्य फसलें**—चावल, गेहूँ, चाय, गन्ना । **3. मुख्य उद्योग**—लोहा-इस्पात, सूती-वस्त्र तथा चीनी । **4. मुख्य खनिज उद्योग**—कोयला, पेट्रोलियम, लौह अयस्क, मैंगनीज, उपरोक्त खनिजों का उत्पादन तथा क्षेत्र । **5. जनसंख्या**—विकास, वितरण, समस्यायें तथा नीति, बसाव के प्रकार, ग्रामीण बसाव और शहरी बसाव का विकास । **6. बिहार**—प्राकृतिक बनावट, जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, कृषि उद्योग, खनिज (मुख्य रूप से कोयला, लोहा, इस्पात, अभ्रक, बॉक्साइट) ।

सहायक पुस्तकें—1. भारत का भूगोल—चतुर्भुज मेमोरिया ।

2. भारत का आर्थिक और प्रादेशिक भूगोल—पी. दयाल ।

पूर्णांक : 25] **प्रायोगिक (पास और सब्सिडियरी)** [समय : 3 घंटे

1. **मानचित्र प्रक्षेप**—सिलेण्ड्रिकल इकाल एरिया तथा जेनिथल प्रोजेक्सन, कोनिकल ।
2. **सांख्यिकी**—मोड़, मिडियन, मीड, क्वारटाइल्स तथा डेभिएशन ।
3. प्रैक्टिकल कार्य तथा रिकार्ड एवं मौलिक ।

सहायक पुस्तकें—

1. **प्रायोगिक भूगोल**—जगदीश सिंह एवं 2. प्रायोगिक भूगोल—मेमोरिया ।

भूगोल (आनर्स) तृतीय-पत्र

पूर्णांक : 75] **खण्ड–क : भारत तथा बिहार** [समय : 3 घंटे

1. **प्राकृतिक बनावट**—जलवायु, मानसून, प्राकृतिक वनस्पति ।
2. **कृषि**—सिंचाई भारतीय कृषि के प्रकार, मुख्य फसलें, कृषिगत समस्या ।
3. **उद्योग**—लोहा तथा इस्पात, सूती वस्त्र, चीनी, सीमेंट तथा उर्वरक उद्योग । उपरोक्त उद्योगों का ऐतिहासिक तथा क्रमबद्ध विकास एवं क्षेत्र पर प्रकाश डालें ।
4. **जनसंख्या**—विकास, वितरण, जनसंख्या की समस्या तथा नीति, ग्रामीण बसाव के प्रकार तथा नगरीय बसाव के विकास की समस्यायें ।
5. **बिहार की प्राकृतिक बनावट**—मुख्य नदी घाटी योजना, कृषि क्षेत्र, खनिज (कोयला, लोहा, अयस्क बॉक्साइट, अभ्रक) बिहार के मुख्य औद्योगिक क्षेत्र, बिहार के सुखाड़ एवं बाढ़ की समस्या ।

पूर्णांक : 75] **चतुर्थ-पत्र : (क) आर्थिक भूगोल** [समय : 3 घंटे

1. **कृषि**—प्रकार, विस्थापित, व्यापारिक खाद्यान्न एवं दुग्ध उत्पादन, विश्व के मुख्य कृषि क्षेत्र ।
2. **उद्योग**—मुख्य उद्योग—लोहा तथा इस्पात, सूती वस्त्र, चीनी । विश्व के मुख्य औद्योगिक क्षेत्र ।

उद्योग स्थापना के कारण तथा क्षेत्र, वेवर तथा बोनथन्स के सिद्धांत ।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार—गेहूँ, कपास, लोहा, अयस्क, खनिज तेल ।

मुख्य व्यापारिक मार्ग—उत्तरी अटलांटिक, स्वेज तथा पनामा ।

खण्ड (ख) संसाधन भूगोल

4. **संसाधन के विचार**—मिट्टी, जल, जंगल उसका वितरण, उपयोग, रचाव, विश्व का मत्स्य उद्योग ।
5. **खनिज संसाधन**—कोयला, लोहा, बॉक्साइट, खनिज तेल, मैंगनीज, ताम्बा, उपरोक्त खनिजों का उत्पादन तथा क्षेत्र ।

सहायक पुस्तकें—1. आर्थिक भूगोल—काशीनाथ सिंह ।

खण्ड (ग) प्रायोगिक : 50 अंक

1. **काटोग्राम**—काटोग्राम के प्रकार, स्फूरकिल डाइग्राम, क्लाइमोग्राफ, हाइदर ग्राफ विडरोज, आइसोप्पेल तथा कोरोप्लेथ, एज एण्ड सेक्स पिरामिड ।
2. बोन्स, पोलीकोनिक, सिलेन्ट्रीकल, कारकोर्ट ।
3. सांख्यिकी मीन, मिडियन, मीड, क्वारटाइन्स, स्टैण्डर्ड डेविएशन ।
4. रिकार्ड—प्रैक्टिस वर्क तथा मौखिक ।

सहायक पुस्तकें—प्रायोगिक भूगोल—जगदीश सिंह या अन्य ।

●